SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 06 नवंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 41

महत्वपूर्ण एवं खास

ऑनलाइन सट्टा ऐप महादेव पर ईडी का ऑपरेशन, तीन मकानों में की गई तफ्तीश

भिलाई (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम रविवार सुबह राधिका राधिका नगर दाऊबाड़ा तालाब के पास स्थित तीन मकान में छापेमारी की। 3 घंटे तक अलग-अलग घरों में टीम ने तफ्तीश की। बताया जा रहा है कि कुछ दस्तावेज लेकर रवाना हो गई। गौरतलब है कि ईडी की टीम ने सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत मैत्री विहार के शांति गार्डन के समीप एक अल्पसंख्यक व्यक्ति सहित 100 मीटर के दायरे में तीन अलग-अलग बंगलो पर में दबिश दी है। 15 सदस्यी टीम सुबह करीब 6 बजे मकानों में पहुंची है। सर्चिंग की कार्यवाई शुरू की। उनके साथ सीआरपीएफ के जवान मौजूद रहे। ईडी के अधिकारियों ने तीनों घरों में रहने वालों से पूछताछ किया। उनसे लडको के बारे में पूछताछ किया। यह भी पूछा है कि दुबई में कौन रहता है। महादेव ऐप से संबंधित उनसे पूछताछ की। दो बंगला बीएसपी के रिटायर्ड अधिकारियों का बताया जा रहा है।

वॉलफोर्ट ग्रुप के ठिकानों पर आईटी की कार्यवाई दूसरे दिन भी जारी : 50 से अधिक आयकर अधिकारी कर रहे दस्तावेजों की जांच

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में चुनावी हलचल के बीच इनकम टैक्स विभाग की ओर से राजधानी रायपुर में शुक्रवार से जारी की गई छापे की कार्रवाई का दायरा बढ़ा दिया है. वॉलफोर्ट ग्रुप और उसके सहयोगियों के करीब 16 ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई वॉलफोर्ट के हेड ऑफिस मुंबई और नागपुर में जारी है. दिल्ली से करीब 50 आयकर अधिकारी समेत 10 लोकल अधिकारी छापेमारी के दौरान दस्तावेजों और खातों की जांच कर रहे हैं. कई स्थानों पर नगदी जब्ती की भी सूचना मिल रही है. उल्लेखनीय है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की दिल्ली टीम ने कल रायपुर ब्लास्ट के संचालक संजय चौधरी, वॉलफोर्ट ग्रुप के अनिल पारख समेत सीए अमिताभ अग्रवाल और सीए जौहरी के ठिकानों पर छापा मारा था.

ऑस्ट्रेलिया में विमान दुर्घटना, पायलट की मौत

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत में रविवार सुबह एक हल्के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से पायलट की मौत हो गयी और एक यात्री घायल हो गया। विक्टोरिया पुलिस के मुताबिक मेलबर्न से लगभग 145 किमी उत्तर में स्थित गॉलबर्न वियर में स्निपी रोड पर स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 07:15 बजे एक जाइरोकॉप्टर जमीन पर गिर गया। विमान में दो लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि पायलट की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी तथा घायल यात्री को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।दुर्घटना के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चला है। पुलिस ने घटना को देखने वाले किसी भी व्यक्ति से संबंधित जानकारी या वीडियो फुटेज उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

भारत-कनाडा के बीच फिर ठनी: भारतीय राजदूत ने आतंकी निज्जर हत्या मामले में फिर मांगे सबूत

ओटावा । खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा और भारत में फिर तकरार सामने आई है। भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में ट्रूडो के आरोपों पर एक बार फिर सबूत मांगे हैं। भारतीय राजदूत ने ग्लोब एंड मेल को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता के बारे में कनाडा या उसके सहयोगियों द्वारा भारत को ठोस सबूत नहीं दिखाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कनाडाई पुलिस द्वारा की जा रही हत्या की जांच को पीएम ट्रूडो के बयानों से नुकसान पहुंचा है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जून में निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाया था, जिसके बाद भारत ने कड़ा एतराज जताया था। भारत ने आरोपों को बेतुका और गलत करार देकर खारिज कर दिया था।

महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं को बाल देखभाल की छुट्टियों के प्रावधान को मिली मंजूरी

नई दिल्ली । आरएनएस

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के लिए उनके अधिकारी समकक्षों के बराबर मातृत्व, बाल देखभाल और बाल गोद लेने की छुट्टियों के नियमों के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। नियम जारी होने के साथ ही सेना में सभी महिलाओं को, चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक की, ऐसी छुट्टियां देना समान रूप से लागू होगा। यह निर्णय सशस्त्र बलों में सभी महिलाओं की समावेशी भागीदारी के रक्षा मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है, चाहे उनकी रैंक कुछ भी हो। छुट्टी नियमों के विस्तार से सशस्त्र बलों से संबंधित महिला-विशिष्ट पारिवारिक और सामाजिक मुद्दों से निपटने में काफी मदद मिलेगी। इस उपाय से सेना में महिलाओं की कार्य स्थितियों में सुधार होगा और उन्हें पेशेवर और पारिवारिक जीवन के क्षेत्रों में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में मदद मिलेगी।नारी शक्ति के उपयोग के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, तीनों सेनाओं में महिलाओं को सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के रूप में शामिल करके एक आदर्श बदलाव की शुरुआत की है। महिला अग्निवीरों की भर्ती से सशस्त्र बल देश की भूमि, समुद्र और हवाई सीमाओं की रक्षा के लिए महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं की बहादुरी, समर्पण और देशभक्ति से सशक्त होंगे।दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में ऑपरेशनल रूप से तैनात होने से लेकर युद्धपोतों पर तैनात होने के साथ-साथ आसमान पर हावी होने तक, भारतीय महिलाएं अब सशस्त्र बलों में लगभग हर क्षेत्र में बाधाओं को तोड़ रही हैं। 2019 में, भारतीय सेना में सैन्य पुलिस कोर में सैनिकों के रूप में महिलाओं की भर्ती के माध्यम से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल की गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हमेशा से मानना रहा है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में अपने पुरुष समकक्षों के बराबर होना चाहिए।

रात में बदला मौसम का मिजाज, रायपुर सहित कई क्षेत्रों में हुई बारिश

0 कई क्षेत्रों में हल्की वर्षा के आसार

रायपुर (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी व पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शुक्रवार रात को रायपुर सहित प्रदेशभर में मौसम का मिजाज बदल गया।

रात्रि करीब नौ बजे से रायपुर सहित कई शहरों में हल्की बारिश हुई। बारिश के चलते मौसम में ठंडकता बढ़ गई। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। विभिन्न क्षेत्रों में हल्की बारिश की संभावना है। हालांकि बादल छाए रहने से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। रविवार से न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी और ठंड भी बढ़ेगी। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि 12-13 नवंबर को मौसम के मिजाज में और बदलाव होगा तथा ठंड बढ़ेगी।

शुक्रवार को रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहे। इसके साथ ही दोपहर बाद कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई। आंशिक रूप से बादल छाने के कारण अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोत्तरी हुई। रायपुर का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा और न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा रहा।

24 घंटों में प्रदेश में मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा- अंबिकापुर, बिलासपुर, पेंड्रा रोड, राजनांदगांव सहित कई क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में सामान्य से बढ़ोतरी हुई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों में प्रदेश में मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा और अधिकतम व न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। उसके बाद रविवार से न्यूनतम तापमान में गिरावट शुरू होगी।

ठंड की दस्तक होते ही अब शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गर्म कपड़ों के स्टाल भी लगने लगे हैं। साथ ही कपड़े संस्थानों में भी गर्म कपड़ों के स्टाल आने शुरू हो गए हैं। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस वर्ष ठंड अच्छी पड़ने की उम्मीद है।

गाजा के राहत शिविर पर इजरायल ने किया अटैक, 50 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत

तेल अवीव । इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष के बीच बीती देर रात मध्य गाजा में एक शरणार्थी शिविर पर इजरायली बमबारी में 51 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-कुद्रा ने एक बयान में यह जानकारी दी। हमास ने टेलीग्राम पर अपने पोस्ट में कहा, इजरायल ने नागरिकों के घरों पर सीधे बमबारी की गई। मृतकों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं।

तुर्की अनादोलु एजेंसी के लिए काम करने वाले 37 वर्षीय पत्रकार मोहम्मद अलालौल ने कहा, इजरायली हवाई हमले में अल-मगाज़ी शिविर में मेरे पड़ोसियों के घर को निशाना बनाया, मेरे बगल का घर आंशिक रूप से ढह गया। उन्होंने अलालौल ने खुलासा किया कि हमले में उनके 13 वर्षीय पुत्र, अहमद और उनके चार वर्षीय पौत्र क़ैस उनके भाई के साथ मारे गये तथा उनकी पत्नी, मां और दो अन्य बच्चे घायल हो गये।

इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि बमबारी के समय इज़रायली रक्षा बल (आईडीएफ) क्षेत्र में तैनात थे या नहीं।

इजरायली चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हरजी हलेवी ने गाजा शहर की घेराबंदी पूरी करने के बाद गाजा के अंदर सैनिकों का दौरा किया। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि इजरायली सेना गाजा में लड़ रही है। उन्होंने कहा कि वे दक्षिण और उत्तर (गाजा शहर के) से काम कर रहे थे और आबादी वाले इलाकों में प्रवेश कर गये हैं।

डीजीसीए के मसौदे में रात के काम के समय घटाने और पायलटों के लिए आराम बढ़ाने का है प्रस्ताव

नई दिल्ली (आरएनएस)। विमानन नियामक संस्था, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अपने हाल ही में तैयार किए गए मसौदे पर 4 दिसंबर तक टिप्पणियां आमंत्रित की हैं, जिसमें रात के काम के घंटों को कम करने और पायलट और चालक दल के सदस्यों के आराम को बढ़ाने का प्रस्ताव है। डीजीसीए का मसौदा पायलट थकान की शिकायतों की बढ़ती संख्या को संबोधित करने की आवश्यकता के जवाब में आया है।

परिवर्तनों में अधिकतम उड़ान ड्यूटी की अवधि को 13 घंटे से घटाकर 10 घंटे करना और न्यूनतम साप्ताहिक आराम अवधि को 36 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे करना शामिल है।

मसौदे में आगे कहा गया है, एक ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि दो स्थानीय रातों सहित लगातार 48 घंटों का न्यूनतम साप्ताहिक आराम प्रदान किया जाए, ताकि एक साप्ताहिक आराम अवधि के अंत और अगले की शुरुआत के बीच कभी भी 168 घंटे से अधिक न हो। इसके अतिरिक्त, डीजीसीए का सुझाव है कि स्टैंडबाय अवधि 12 घंटे से अधिक नहीं बढ़नी चाहिए, और हवाई अड्डे पर अधिकतम स्टैंडबाय समय (शयन कक्ष के साथ या उसके बिना) 8 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए।

इसके अलावा, डीजीसीए सिफारिश कर रहा है कि उड़ान चालक दल के सदस्यों को 168 घंटे की अवधि के भीतर एक बार को छोड़कर, लगातार दो रातों से अधिक, स्थानीय समयानुसार 0000 से 0600 बजे के बीच कोई उड़ान ड्यूटी नहीं सौंपी जानी चाहिए या नहीं ली जानी चाहिए।

उड़ान चालक दल के सदस्यों के लिए उन्हें अपने गृह आधार या अधिवास समय से 48 घंटे से कम दूर रहते हैं, उड़ान अनुसूची के पहले प्रस्थान के बिंदु पर स्थानीय समय के आधार पर लगातार दो रातें निर्धारित की जाती हैं।

उन्होंने कहा, डीजीसीए विशिष्ट शहर जोड़े और इन उड़ानों की प्रस्थान खिड़कियों के लिए केस-दर-केस आधार पर अल्ट्रा-लॉन्ग उड़ानों के संचालन के लिए मंजूरी देगा। ड्राफ्ट में कहा गया है, ऑपरेटरों को अल्ट्रा-लॉन्ग-हॉल परिचालन के लिए 'सिटी पेयर स्पेसिफिक' अनुमोदन प्राप्त करने के लिए डीजीसीए को एक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करनी होगी।

इसमें कहा गया है, यदि ऑपरेटर निर्देशात्मक नियमों का पालन करता है तो डीजीसीए चालक दल की सतर्कता के लिए इन उड़ानों को मान्य कर सकता है, लेकिन यह प्राथमिकता दी जाएगी कि चालक दल की सतर्कता की निरंतर निगरानी के लिए ऑपरेटर थकान जोखिम प्रबंधन प्रणाली अपनाए।

बांग्लादेश के पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार, ढाका में जलाई गई 10 बसें

ढाका (आरएनएस)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा घोषित 48 घंटे की देशव्यापी नाकाबंदी से पहले ढाका और देश के अन्य हिस्सों में 10 से ज्यादा बसों को आग लगा दी गई। बांग्लादेश के पूर्व गृह मंत्री और वर्तमान बीएनपी उपाध्यक्ष, एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) अल्ताफ हुसैन चौधरी को ढाका में तोडफ़ोड़, हिंसा और पुलिस हत्याओं के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

ढाका अदालत ने पुलिस कांस्टेबल अमीरुल इस्लाम परवेज की हत्या के मामले में बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य और पूर्व वाणिज्य मंत्री अमीर खोसरू महमूद चौधरी और बीएनपी मीडिया सेल के संयोजक जहीर उद्दीन स्वपन को छह दिन की रिमांड पर भेज दिया। इससे पहले, शनिवार शाम 7:30 से 8 बजे के बीच एलिफेंट रोड, न्यूमार्केट और सैदाबाद इलाके में तीन बसों में आग लगा दी गई।

मालूम हो कि न्यूमार्केट इलाके में गौचिया मार्केट के सामने हमलावरों ने मीरपुर लिंक बस में आग लगा दी। सूचना मिलने पर अग्निशमन सेवा की दो इकाइयां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। पांच मिनट बाद, एलिफेंट रोड पर मल्टीप्लान सिटी सेंटर के सामने एक ग्रीन यूनिवर्सिटी बस में आग लगा दी गई। बाद में, सैयदाबाद टाउनशिप जंक्शन पर फ्लाईओवर के नीचे एक और बस में आग लगा दी गई। फायर सर्विस के मुताबिक, न्यूमार्केट इलाके में मीरपुर लिंक बस में आग लगा दी गई। पलाशी फैक्ट्री फायर स्टेशन की दो इकाइयां आग पर काबू पाने के लिए काम कर रही हैं।

उधर, सिद्दीक बाजार फायर स्टेशन की दो यूनिटों ने ग्रीन यूनिवर्सिटी बस की आग पर काबू पाया। इसके अलावा, पोस्टगोला फायर स्टेशन की दो इकाइयों ने सैयदाबाद में बस में लगी आग पर काबू पाया। शनिवार रात करीब 11.45 बजे बीएनपी-जमात गठबंधन के उपद्रवियों ने बरिसाल के सैयदाबाद के चारफशान उपजिला में सड़क के किनारे खड़ी एक यात्री बस में आग लगा दी।

चारफशान अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा के स्टेशन अधिकारी असदुज्जमां ने आईएएनएस को बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12:15 बजे नए बस स्टैंड पर सड़क के किनारे भोला-चट्टाग्राम जा रही यमुना एक्सप्रेस बस में आग लगाई गई। आग लगने की सूचना मिलने के बाद फायर सर्विस की दो यूनिटों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जमात बीएनपी के लोगों ने मंजिल एक्सप्रेस परिवाहन की एक यात्री बस में आग लगा दी। फायर सर्विस मीडिया ने रविवार को आईएएनएस को बताया कि सूचना मिलने पर फायर सर्विस की दो यूनिटें गईं और आग पर काबू पाया। शुक्रवार (3 नवंबर) को अग्निशमन सेवा के मीडिया सेल ने बताया कि बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी द्वारा बुलाए गए तीन दिवसीय नाकेबंदी के दौरान देश भर में आगजनी की 34 घटनाएं दर्ज की गई।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने किए बद्रीकेदार के दर्शन

रूद्रप्रयाग (आरएनएस)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री देहरादून में दिव्य दरबार लगाने के बाद आज सुबह बाबा केदार और बदरी विशाल के दर्शनों के लिए केदारनाथ और बदरीनाथ धाम पहुंचे। इस बीच उन्होंने बाबा केदार और बदरी विशाल की विशेष पूजा अर्चना की। इससे पहले श्री बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सदस्यों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने भी हजारों के रूप में जुटी भीड़ का अभिवादन किया। धाम पहुंचने पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री का श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने भव्य स्वागत किया। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने सबसे पहले सुबह बाबा केदार के दर्शन किए। उसके बाद वह बदरी विशाल के दर्शनों के लिए बदरीनाथ रवाना हुए।

जहां उन्होंने बदरीविशाल के दर्शन किए और धर्मशाला का भूमि पूजन भी किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर समिति के लोगों के साथ मुलाकात भी की।उत्तराखंड में पहली बार लगा धीरेंद्र शास्त्री का दिव्य दरबार: गौरतलब है कि बीते दिन बागेश्वर धाम के प्रसिद्ध धीरेंद्र शास्त्री देहरादून पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी मां ने सीएम आवास पर उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री देहरादून स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित दिव्य दरबार में पहुंचे। जहां करीब 40 हजार से ज्यादा भक्त मौजूद थे।

विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए आ रहे है नियम, मेधावी छात्रों के लिए फीस होगी कम

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूजीसी 'फॉरेन यूनिवर्सिटीज' के भारतीय कैंपस और यहां उनके परिचालन से जुड़े 'रेग्यूलेशन 2023' लाने जा रही है। इससे ऐसे मेधावी छात्र को लाभ होगा जो आर्थिक तंगी के कारण प्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालय का रुख नहीं कर सकते। भारत में अपना स्थानीय कैंपस स्थापित करने वाले कई विदेशी विश्वविद्यालय यहां ट्यूशन फीस में बड़ी छूट भी देंगे।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया का मेलबर्न विश्वविद्यालय, क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, अमेरिका का टेक्सस विश्वविद्यालय, सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय और इंस्टिट्यूटो मारांगोनी ने भारत में अपना कैंपस खोलने में रुचि दिखाई है। विदेशी विश्वविद्यालयों के भारतीय कैंपस में गरीब मेधावी छात्रों को उनकी मेरिट के आधार पर स्कॉलरशिप देने का प्रावधान किया जा रहा है।

गौरतलब है कि लंबे इंतजार के बाद अब यूजीसी ने भारत में विदेशी कैंपस स्थापित करने का रास्ता खोल दिया है। यह निर्णय यूजीसी काउंसिल की बैठक में लिया गया। अब अपने अगले कदम में यूजीसी फॉरेन यूनिवर्सिटीज के भारतीय कैंपस और यहां उनके परिचालन से जुड़े 'रेग्यूलेशन 2023' लाने जा रही है।

यूजीसी के मुताबिक यह रेगुलेशन अगले कुछ दिनों में जारी किए जा सकते हैं। यूजीसी के मुताबिक अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस व इंग्लैंड समेत विभिन्न राष्ट्रों के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने भारत में कैंपस स्थापित करने को लेकर अपनी रुचि दिखाई है। इसके लिए इन विश्वविद्यालयों ने कई सुझाव भी दिए हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों ने अपने सुझावों में क्लस्टर कॉलेज बनाने का सुझाव भी दिया है।

यूजीसी का कहना है कि उन्हें अब तक 200 से अधिक भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों से सुझाव प्राप्त हुए हैं। यूजीसी के दिशानिर्देशों के आधार पर ही कोई भी विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपना कैंपस स्थापित कर सकेगा।

यूजीसी ने बताया कि भारत में कैंपस स्थापित करने की योजना बना रहे विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए मसौदा दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देते समय विदेशी विश्वविद्यालयों से प्राप्त सुझावों पर भी विचार किया गया है। यूजीसी ने इस विषय में जानकारी देते हुए बताया कि विश्व प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी सहित विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपना कैंपस स्थापित करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

प्रसिद्ध शिक्षाविद सीएस कांडपाल के मुताबिक विदेशी विश्वविद्यालय के भारत आने पर इससे उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। रिसर्च और इनोवेशन पर भी पहले के मुकाबले अधिक काम होगा। छात्रों के साथ साथ शिक्षकों व अन्य कर्मियों के लिए रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे।

इसका सबसे बड़ा लाभ उन लाखों भारतीय छात्रों को मिलेगा जो विदेशी विश्वविद्यालय में आवेदन करते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत से हर साल करीब 7-8 लाख छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं। ऐसे में यदि विश्व के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय भारत में ही कैंपस स्थापित करते हैं तो भारतीय छात्रों को स्वदेश में रहकर ही इन विश्वविद्यालय में पढ़ने का अवसर मिल सकेगा।

यूजीसी का मानना है कि भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के आने से न केवल डिग्री प्रोग्राम बल्कि रिसर्च को भी बड़ा बूस्ट मिलेगा। दरअसल अभी भी भारत के कई रिसर्चर व प्रोफेसर विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त शोध कर रहे हैं। अभी ऐसे रिसर्चर की संख्या सीमित है, लेकिन भारत में विदेशी कैंपस खुलने पर रिसर्च की संख्या में वृद्धि का अनुमान है।

यूजीसी के अधिकारियों के मुताबिक भारत में अपना कैंपस स्थापित करने वाले विदेशी विश्वविद्यालय केंद्र या राज्य सरकारों से अनुदान प्राप्त नहीं करेंगे। यही कारण है कि विदेशी विश्वविद्यालय की दाखिला प्रक्रिया व फीस निर्धारण में यूजीसी का सीधा दखल नहीं होगा। लेकिन इन विश्वविद्यालयों को पूरी प्रक्रिया और फीस के मामलों में पारदर्शिता रखनी होगी।